डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 18, भाग 2

2 राजा 3-4, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

लेकिन मैं अध्याय चार, श्लोक आठ से 37, शूनेम की महिला के बारे में बात करना चाहता हूँ। शूनेम, और चलिए फिर से हमारे नक्शे को देखते हैं। शूनेम यहीं यिज्जेल की घाटी में है, समृद्ध कृषि भूमि है जिसमें धन और आराम की सभी संभावनाएँ हैं।

अब, जब हम इस अंश को देखते हैं तो यह दिलचस्प लगता है कि कहानी में पति पूरी तरह से पृष्ठभूमि में है। यह एक ऐसी महिला है जो स्पष्ट रूप से अपने आप में सक्षम है, शायद अपने आप में अमीर भी है। उसका एक पति है।

वे सहयोगात्मक हैं। लेकिन हम उसे बार-बार कार्रवाई करते हुए देखते हैं। यह उस महिला की तस्वीर नहीं है जो केवल अपने पति की संपत्ति है और उसके हाथों में केवल एक खिलौना है, जो वह चाहता है, एक ऐसी महिला जिसके पास कोई अधिकार नहीं है, कोई विशेषाधिकार नहीं है, कोई संपत्ति नहीं है।

और मुझे लगता है कि यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि हम पुरुष और महिला लिंग के संबंध के इन सवालों के बारे में सोचते हैं - दो चीजें जिन पर मैं यहाँ ज़ोर देना चाहूँगा। नंबर एक, हम एक ऐसी स्थिति के बारे में बात कर रहे हैं जो हमारी स्थिति से बहुत अलग है।

और इसलिए, अगर बाइबल महिलाओं को उन अधिकारों के पूरे स्तर के साथ चित्रित नहीं करती है, जिनके बारे में हम अपने समाज में सोच सकते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि भगवान किसी तरह महिलाओं का मूल्य कम करते हैं। हमें वास्तव में जो करने की ज़रूरत है, वह है उस सांस्कृतिक संदर्भ में महिलाओं के बारे में बाइबल के दृष्टिकोण को देखना। जब हम ऐसा करते हैं, जैसा कि यहाँ है, तो हम पाते हैं कि बाइबल महिलाओं को मूल्य, स्थिति और एक ऐसा स्तर देती है जो हमारे आस-पास की संस्कृति में जो हम देखते हैं, उससे कहीं ज़्यादा है।

यही मुद्दा है। उस समय की संस्कृति के संदर्भ में बाइबल क्या कहती है? और यह परमेश्वर की दृष्टि में महिलाओं के मूल्य के संबंध में जानकारी और अंतर्दृष्टि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फिर से, कथा बहुत दिलचस्प है।

एलीशा शूनेम शहर से गुज़रता है, और धनी महिला उसे भोजन के लिए रुकने के लिए कहती है। इसलिए जब भी वह वहाँ से गुज़रता है तो उसे वहाँ रुकने की आदत पड़ जाती है। और नौवीं आयत पर ध्यान दें, उसने अपने पति से कहा, मैं जानती हूँ कि यह आदमी जो अक्सर हमारे पास आता है, वह परमेश्वर का एक पवित्र आदमी है।

क्या यह दिलचस्प नहीं है? उसे यह कैसे पता चला? हमें यह नहीं बताया गया कि उसने कभी कोई चमत्कार किया था। हमें यह नहीं बताया गया कि उसने कभी कोई भविष्यवाणी की थी। लेकिन उसके चरित्र में कुछ खास बात है।

उसके व्यवहार में कुछ ऐसा है जो इस संवेदनशील महिला के लिए, अचूक है। आपके चरित्र की क्या विशेषता है? मेरी क्या विशेषता है? क्या लोग हममें एक अलग स्वाद, एक अलग लहज़ा, जीवन के प्रति एक अलग दृष्टिकोण देखते हैं? अब, हो सकता है कि उसने कुछ चमत्कार किए हों। हो सकता है कि उसने उसे कोई भविष्यवाणी दी हो।

हम यह नहीं जानते। लेकिन जहाँ तक पाठ का सवाल है, वह सिर्फ़ आध्यात्मिक समझ के साथ है, पहचानती है कि इस आदमी में कुछ अनोखा है। वह एक ईश्वरीय व्यक्ति है, एक पवित्र व्यक्ति है।

वह यहोवा जैसा है। वह यहोवा जैसा काम करता है। क्या यह आपके बारे में कहा जा सकता है? क्या यह मेरे बारे में कहा जा सकता है? भगवान ऐसा करे।

भगवान करे कि यह हो। इसका स्वाद हो। हम जहाँ भी जाएँ, हमारे इर्द-गिर्द जीवन की खुशबू हो।

तो वह कहती है, चलो छत पर उसके लिए एक छोटा सा कमरा बना दें और उसमें उसके लिए एक बिस्तर और एक मेज, एक कुर्सी और एक लैंप रख दें। फिर जब भी वह आए, वह हमारे साथ रह सकता है। हाँ, मैं अपने जीवन में ऐसा ही व्यक्ति चाहती हूँ।

मैं ऐसे ही व्यक्ति से जुड़ना चाहता हूँ। इस व्यक्ति में जीवन की खुशबू है। मैं चाहता हूँ कि वे मेरे जीवन में रहें।

अब, याद रखें, बेशक, वे सभी घर सपाट छत वाले थे। और इसलिए छत पर थोड़ी जगह बनाने में कोई समस्या नहीं है। जब हम अपने घरों में पक्की छतों के बारे में सोचते हैं, तो हमें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

लेकिन सपाट छत के लिए, यह कोई समस्या नहीं है। इसलिए, मैं चाहता हूँ कि आप कहानी में दो बातों पर ध्यान दें। एलीशा पहले उसे कुछ चमत्कारी चीज़ नहीं देता, बल्कि उसे कुछ देता है।

वह कहता है, श्लोक 13, तुमने हमारे लिए इतनी सारी मुसीबतें उठाई हैं। हम तुम्हारे लिए क्या कर सकते हैं? क्या हम तुम्हारी ओर से राजा से या सेना के कमांडर से बात कर सकते हैं? मैं सत्ता में बैठे लोगों से तुम्हारे लिए एक अच्छी बात कहने की स्थिति में हूँ। दिलचस्प है।

वह कोई चमत्कार नहीं करता। वह बस उसके लिए कुछ अच्छा करने की पेशकश करता है, कुछ अच्छी बातें कहता है। और वह कहती है कि मैं ठीक हूँ।

मुझे कुछ खास नहीं चाहिए। शुक्रिया। अब, गेहजी इस कहानी में आगे चलकर बुरी तरह से सामने आने वाला है।

लेकिन इस समय यह दिलचस्प है। वह कहता है कि उसका कोई बेटा नहीं है, और उसका पति बूढ़ा है। उसमें कुछ आध्यात्मिक संवेदनशीलता है।

वह जो कुछ भी वह सतह पर कहती है, उससे परे देखने में सक्षम है। वह उसके दिल में झाँकने में सक्षम है। और इसलिए, एलीशा ने कहा, उसे बुलाओ।

एलीशा ने कहा, अगले साल इसी समय के आसपास, तुम अपनी बाहों में एक बेटे को थामे रहोगी। क्या यह तुम्हें किसी बात की याद दिलाता है? मुझे उम्मीद है कि ऐसा ही होगा। मुझे उम्मीद है कि तुम अपनी बाइबल को अच्छी तरह से जानते हो।

क्या आपको उत्पत्ति में वापस याद है? भगवान दो स्वर्गदूतों के साथ अब्राहम से मिलने आए थे, और उन्होंने यही शब्द कहे थे। मैं अगले साल वापस आऊंगा, और तुम्हें बच्चा होगा। खैर, साराह हँसी।

यह महिला कहती है, ओह, मेरी उम्मीदों को इस तरह मत जगाओ। ऐसी बातें मत कहो। फिर से दिलचस्प।

वह एलीशा को चमत्कार करने वाला नहीं मानती। ओह, अच्छा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

नहीं, मेरे साथ ऐसा मत करो। और वह कहता है, ठीक है, वह इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता। कृपया, भगवान के आदमी, अपने सेवक को गुमराह मत करो।

ऐसा मत करो। क्योंकि सारा की हंसी की तरह, यह महिला, यह कोई संभावना नहीं है। मानवीय रूप से कहें तो यह संभव नहीं है।

बाइबल में, संतानहीनता एक प्रमुख विषय है। याद रखें कि इस्राएल की पहली तीन माताएँ सभी बच्चे पैदा करने में असमर्थ थीं। सारा, राहेल, रेबेका।

क्या बात है? ओह, प्राचीन दुनिया में, खास तौर पर, प्रजनन क्षमता ही सबकुछ थी। प्रकृति दुश्मन थी। अगर आप बच्चे पैदा नहीं कर रहे थे, जैसे कि लकड़ी से गिरना, अगर आपके खेत उपजाऊ नहीं थे, अगर आपके जानवर उपजाऊ नहीं थे, तो आप मरने वाले थे।

आपके कोई बच्चे नहीं थे। ऐसा लगता था जैसे आप कभी जीवित ही नहीं थे। इसीलिए प्रजनन धर्म बाल और अशेरा के साथ इतना बड़ा मुद्दा था।

अशेराह आदिम, उपजाऊ महिला है, जो अपने स्वरूप में कामुक है। चौड़े कूल्हे। वह किसी भी तरह से बच्चे पैदा कर सकती है।

भारी स्तन। हाँ, हाँ। प्रजनन क्षमता और बाल।

वह ऐसा कर सकता है, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकते। यह परमेश्वर ही है जो जीवन का स्रोत है। और इसलिए, बाइबल में बार-बार, यह तस्वीर है।

आप प्रजनन क्षमता चाहते हैं। आप यहोवा को अपने हिसाब से प्रजनन के लिए प्रेरित नहीं कर सकते, जैसा कि आप सोचते हैं कि आप कर सकते हैं, बाल और अशेरा, लेकिन आप उस पर भरोसा कर सकते हैं। आप अपना जीवन उसके लिए समर्पित कर सकते हैं।

आप उसे अपनी कृपा और दया से अपने जीवन में अपना काम करने की अनुमति दे सकते हैं। वह आपको और मुझे केवल शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि फलदायी भी बना सकता है। और, बेशक, यही वह बात है जिस पर पूरे समय जोर दिया जाता है।

भौतिक आध्यात्मिक का प्रतीक है। आध्यात्मिक रूप से वह चाहता है कि हम जहाँ भी जाएँ, जो भी करें, जीवन देने वाले बनें। और इस तरह, बच्चा पैदा होता है।

लेकिन फिर एक दिन ऐसा लगता है कि उसे लू लग गई है। वह पूरे दिन गर्मी में बाहर रहता है और कहता है, मेरा सिर, मेरा सिर। उसने टोपी नहीं पहनी थी जैसा कि उसे पहनना चाहिए था।

मैं चाहता हूँ कि आप माँ के विश्वास और कार्य करने की क्षमता पर ध्यान दें। वह मूर्खता नहीं करती।

वह ऊपर गई, उसे परमेश्वर के आदमी के बिस्तर पर लिटाया, दरवाजा बंद किया और बाहर चली गई। उसने अपने पति को बुलाया और कहा, मेरे पास एक नौकर और एक गधा भेजो ताकि मैं जल्दी से परमेश्वर के आदमी के पास जाकर वापस आ सकूँ। अच्छा, आज क्यों जाना? यह कोई धार्मिक छुट्टी नहीं है।

कोई बात नहीं, मैं जा रहा हूँ। उसने गधे पर काठी बाँधी और नौकर से कहा, आगे बढ़ो।

जब तक मैं न कहूँ, तब तक धीमे मत पड़ना। एक कर्मठ महिला, एक आस्थावान महिला। अगर मैं उस आदमी तक पहुँच सकती हूँ, तो सब ठीक हो जाएगा।

यीशु की कहानी में रक्तस्राव से पीड़ित महिला की तरह, अगर मैं उसके वस्त्र को छू सकूँ, तो मैं ठीक हो जाऊँगी। विश्वास।

आश्वासन, निश्चितता। और फिर, वह चली जाती है। और फिर, कहानी बहुत दिलचस्प है।

गेहजी, जाकर पता लगाओ कि उसकी समस्या क्या है। मैं जानता हूँ कि वह महिला कौन है। वह शूनेम की वह महिला है जिसके साथ हम रहते हैं।

गेहजी ने पूछा, क्या सब ठीक है? वह कहती है, हाँ, सब ठीक है और आगे भी आता रहेगा। वह किसी भी चीज़ से पीछे नहीं हटेगी जो परमेश्वर उसके लिए कर सकता है। वह उस आदमी के पैरों पर मुँह के बल गिर जाती है।

और वह कहती है कि गेहजी ने उसे दूर धकेलने की कोशिश की। और वह कहता है, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं। वह बहुत परेशान है।

मुझे नहीं पता कि यह फिर क्या है। कितना दिलचस्प है। वह कहती है कि मैंने तुमसे बेटा नहीं मांगा।

क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था कि मेरी उम्मीदें मत बढ़ाओ? तुम जानते हो, मैं बस इतना ही कहता हूँ, गेहजी, अपने बागे का किनारा पकड़ो। इसे अपनी कमर में बाँध लो। अपनी कमर बाँधना यही है।

और तुम देखते हो कि यह क्या है? यह तुरंत बरमूडा शॉर्ट्स है। और भागो, भागो। लड़के को मेरे डंडे से छूने से कोई फायदा नहीं होगा।

और एलीशा तीन बार लड़के के ऊपर लेट गया। फिर से, हम पूछना चाहते हैं, यह क्या है? ऐसा क्यों है? बाइबल कहती है, कोई बात नहीं। और लड़का ठीक हो गया।

हम यहाँ किस बारे में बात कर रहे हैं? हम ईश्वर के बारे में बात कर रहे हैं, जो जीवन देता है। ईश्वर जो जीवन को पुनःस्थापित कर सकता है। ईश्वर जिसमें सारा जीवन समाया हुआ है।

अब, एलिय्याह के जीवन की एक ऐसी ही कहानी याद कीजिए। सारपत की विधवा जिसका जीवन उसने भोजन के प्रबंध से बचाया था।

फूल और तेल। उसका बेटा मर गया, और एलिय्याह। उसके बेटे को अलग-अलग तरीकों से, अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग तरीकों से वापस ज़िंदा किया। लेकिन यह सच है। यहोवा सक्षम है। बाल असफल है। यह दुनिया वह नहीं दे सकती जो वादा करती है। लेकिन यहोवा कर सकता है।